न्यायालय न्याय निर्णयन अधिकारी एवं अपर जिला मजिस्ट्रेट, बाड़मेर

पीठासीन अधिकारी : राजेन्द्र सिंह चांदावत, आर0ए0एस0

खाद्य सुरक्षा परिवाद सं. 07/2026

प्रार्थी –
राजस्थान सरकार जरिये खाद्य सुरक्षा अधिकारी बाड़मेर

बनाम

अप्रार्थी –

1. तेजमल पुत्र भंवरलाल जाति जैन निवासी कल्याणपुरा, मार्ग नंबर 2 बाडमेर (मैसर्स विजय लक्ष्मी ट्रेडर्स, कृषि उपज मण्डी बाडमेर का विक्रेता)
2. मिनाक्षी देवी पत्नी तेजमल निवासी पिपली चौक लक्ष्मी बाजार बाडमेर (मैसर्स विजय लक्ष्मी ट्रेडर्स, कृषि उपज मण्डी बाडमेर की मालिक)
3. पटेल अश्विन भाई जयंतीलाल पुत्र जयंति भाई माधव लाल पटेल निवासी Lavadyas VTC Varvada Po Varvada Dist. Mehsana State Gujrat (मैसर्स रजवाडी डेयरी प्रोडेक्ट, एफ–1 पर्थ एग्रो, एट–कमली, उन्झा (गुजरात)
4. मैसर्स रजवाडी डेयरी प्रोडेक्ट, एफ–1 पर्थ एग्रो, एट–कमली, उन्झा (गुजरात)

परिवाद अन्तर्गत धारा 26(2)(ii) सहपठित धारा 51 खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006

उपस्थिति :–

1. अभियोजन अधिकारी प्रार्थी की ओर से उपस्थित।
2. अप्रार्थीगण स्वयं उपस्थित।

आदेश

दिनांक : 04.03.2026

1. प्रार्थी की ओर से यह परिवाद खाद्य सुरक्षा अधिकारी बाड़मेर द्वारा धारा 26 की उप धारा (2)(ii) के उल्लंघन के फलस्वरूप धारा 51 खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 के अन्तर्गत अप्रार्थी के विरूद्ध प्रस्तुत किया गया है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी बाड़मेर द्वारा प्रस्तुत परिवाद के संक्षिप्त तथ्य यह हैं कि अप्रार्थी की फर्म **मैसर्स विजय लक्ष्मी ट्रेडर्स, कृषि उपज मण्डी बाडमेर** पर निरीक्षण दिनांक **20.05.2025** को 500–500 मिली लीटर के

न्याय निर्णयन अधिकारी एव
अपर जिला मजिस्ट्रेट बाडमेर

25 पैकेट मूल ही सिल्ड अवस्था में विक्रय हेतु रखा गया खाद्य पदार्थ **घी (गौधारा)** को मिलावट का होने के शक पर नियमानुसार **घी (गौधारा)** में से कुल 4 पैकेट वास्ते नमूना क्रय किया जाकर नमूना संख्या **पी–2886** अंकित कर इसकी जांच खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 के तहत कराये जाने हेतु प्रपत्र–5(ए) भरकर अप्रार्थी एवं गवाह व विक्रेता के हस्ताक्षर करवाये गये। उक्त खाद्य पदार्थ **घी (गौधारा)** का नमूना वास्ते जांच खाद्य विश्लेषक, खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्रयोगशाला जोधपुर को भिजवाया गया। खाद्य विश्लेषक, खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्रयोगशाला जोधपुर द्वारा उक्त खाद्य पदार्थ **घी (गौधारा)** का नमूना **अवमानक** पाये जाने पर अप्रार्थीगण को जरिये नोटिस सूचना दी गई, जिस पर अप्रार्थी द्वारा सैम्पल की द्वितीय जांच निर्दिष्ट प्रयोगशाला में करवाने का प्रार्थना–पत्र किया। इस पर उक्त नमूना जांच हेतु निर्दिष्ट खाद्य प्रयोगशाला मैसूर को भिजवाया गया जिसमें जांच उपरान्त रिपोर्ट दिनांक **29.08.2025** में उक्त नमूना **अवमानक (Substandard)** स्तर का पाया गया है। इस पर प्रार्थी खाद्य सुरक्षा अधिकारी बाड़मेर द्वारा यह परिवाद प्रस्तुत कर अप्रार्थीगण को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की धारा 26 की उप धारा (2)(ii) का उल्लंघन करने के लिए अधिनियम की धारा 51 के तहत जुर्माना से दण्डित करने का निवेदन किया है।

2. अप्रार्थीगण को जरिये रजिस्टर्ड नोटिस तलब किया गया। अप्रार्थीगण स्वयं उपस्थित। अप्रार्थी संख्या 3 द्वारा जुर्म स्वीकार करते हुए नरम दृष्टिकोण रखने हेतु निवेदन किया है।

3. प्रार्थी की ओर से प्रस्तुत परिवाद का अवलोकन किया एवं पत्रावली में प्रस्तुत दस्तावेजों का अवलोकन किया गया। अप्रार्थी द्वारा कारित अपराध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के अन्तर्गत जुर्माना से दण्डनीय है तथा खाद्य पदार्थों से सम्बन्धित सुरक्षा मानकों के प्रति उदासीनता मानव स्वास्थ्य के प्रति गम्भीर अपराध की श्रेणी में माना गया है। अप्रार्थी के प्रतिष्ठान से लिये गये खाद्य पदार्थ के नमूना की खाद्य विश्लेषक, खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्रयोगशाला मैसूर से प्राप्त नमूना जांच रिपोर्ट दिनांक **29.08.2025** में उक्त खाद्य पदार्थ का नमूना **अवमानक** पाया गया। अप्रार्थीगण स्वयं उपस्थित। अप्रार्थी संख्या 3 द्वारा जुर्म स्वीकार करते हुए नरम दृष्टिकोण रखने हेतु निवेदन किया है। प्रस्तुत परिवाद **घी (गौधारा)** से संबंधित है, जिसकी प्रयोगशाला जांच में Milk Fat का मानक Not less than 99.5 के मुकाबले 99.20 पाया गया है, B.R.R. at 40 Degree C का मानक 40-44 के मुकाबले 45.60 पाया गया है, R.M.Value का मानक Not less than 24 के मुकाबले 4.66 पाया गया है, Iodine Value का मानक 25-38 के मुकाबले 40.89 पाया गया है, Saponification Value का मानक 205-235 के मुकाबले 201.57 पाया गया है एवं Test for the presence of Vegetable oils का मानक Shall be absent के मुकाबले Present पाया गया है जो कि मानक स्तर का नहीं है।

न्याय निर्णयन अधिकारी एव
अपर जिला मजिस्ट्रेट बाडमेर

अप्रार्थी ने उक्त खाद्य पदार्थ के अवमानक पाये जाने के तथ्य का अपने प्रतिरक्षण में किसी प्रकार का ठोस एवं तथ्यात्मक जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया है। अप्रार्थी द्वारा उसके व्यवसाय में जिस खाद्य पदार्थ का विक्रय किया जा रहा था, उसकी गुणवता व मानकता के प्रति अपने दायित्व से विमुक्ति का प्रयास किया गया है। अप्रार्थी की फर्म से लिया गया खाद्य पदार्थ का नमूना **अवमानक** पाया गया है तथा खाद्य सुरक्षा अधिनियम एवं उसके अधीन बनाये गये विनियमों की सम्पूर्ण पालना किया जाना आवश्यक एवं बाध्यकारी है। लिहाजा अप्रार्थी के विरूद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की धारा 26 की उप धारा (2)(ii) का उल्लंघन करने के लिए अधिनियम की धारा 51 के तहत जुर्म प्रमाणित हैं।

4. अतः उपर्युक्त तथ्यों एवं परिस्थितियों पर विवेचन उपरांत अप्रार्थी के विरूद्ध अपराध धारा 51 खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 प्रमाणित होने से अप्रार्थी संख्या 01 एवं 02 पर **रूपये 75,000/–** व अप्रार्थी संख्या 03 एवं 04 पर **रूपये 1,00,000/–**का जुर्माना अधिरोपित किया जाता है। अप्रार्थीगण उक्त जुर्माना राशि का बैंक डिमाण्ड ड्राफ्ट मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बाड़मेर के नाम पेश करें, जो पेश होने पर सम्बन्धित अधिकारी को राजकोष मे जमा करवाने हेतु भिजवाया जावें। पत्रावली निर्णय शुमार होकर दाखिल दफ्तर हों।

5. आदेश आज दिनांक 04.03.2026 को खुले न्यायालय में सुनाया गया।

न्याय निर्णयन अधिकारी एवं अपर जिला मजिस्ट्रेट बाड़मेर.

(राजेन्द्र सिंह चान्दावत)
न्याय निर्णयन अधिकारी एवं
अपर जिला मजिस्ट्रेट, बाड़मेर

न्याय निर्णयन अधिकारी एवं अपर जिला मजिस्ट्रेट बाड़मेर (राज.) सत्यमेव जयते